BSWE-003
BSWE-005
BSWE-006

lekt dk;Z esa Lukrd mikf/k
¼ch-Mh-ih- % ch-,l-MCY;w- & r`rh; o"kZ½

l=h; dk;Z % 2011-12

ikB~;Øe 'kh"kZd

ch-,l-MCY;w-bZ--003 % lecnk;ksa vkSj laLFkkvksa ds lkFk lekt dk;Z vH;kl
ch-,l-MCY;w-bZ--005 % ,p-vkbZ-oh-@,M~l dk ifjp;
ch-,l-MCY;w-bZ--006 % eknd nzO; nq:i;ksx vkSj ijkeZ'k

v/;;u dsanz esa l=h; dk;Z tek djkus dh rkjh[k %
tqykbZ l= & Qjojh 25] 2012
tuojh l= & vxLr 30] 2012

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

lekt dk;Z fo|kihB
bafnjk xka/kh jk"Vªh; eqDr fo'ofo|ky;
eSnku x<+h] ubZ fnYyh-110 068

प्रिय विद्यार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।
- अपने प्रयोगात्मक कार्य व्यावसायिक रूप से योग्य समाज कार्यकर्ता जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू/ एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि हो और जिसे आपके अध्ययन केंद्र ने आपको उपलब्ध कराया हो, केवल उसके मार्गदर्शन में ही करें।

बी.एस.डब्ल्यू, तृतीय वर्ष के लिए आपको बी.एस.डब्ल्यू.ई.-003; 005; 006 और अन्य आधार पाठ्यक्रम के लिए एक–एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना है।

जुलाई 2007 सत्र से बी.एस.डब्ल्यू. के सभी विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती हैं कि उन्हें क्षेत्र कार्य (समाज कार्य प्रैक्टिकम) में 35% अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है जिसे आप

(i) क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक, और (ii) बाह्य परीक्षक (संकाय) से प्राप्त करेंगे।

समाज कार्य अभ्यास (प्रैक्टिकम) में उत्तीर्ण होने के आपके अवसर, उस पर्यवेक्षक पर निर्भर है जो आपका मार्गदर्शन करेगा। याद रखिए कि केवल योग्यताप्राप्त पर्यवेक्षक जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू./एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि है, वही आपके क्षेत्र कार्य के लिए आपका मार्गदर्शन करने के लिए पात्र है। यदि इस संबंध में आप कोई कठिनाई अनुभव करते हैं तो आप इसके बारे में अध्ययन केंद्र के अपने संचालक से चर्चा कर सकते हैं। आप समाज कार्य विद्यापीठ में सुश्री एन. रम्या फोन नं. 011–29532044, ई–मेल : ramya@ignou.ac.in अथवा sosw@ignou.ac.in पर भी संपर्क कर सकते हैं।

आप अपना क्षेत्र कार्य जर्नल अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक (Field Work Supervisor) के पास जमा करा सकते हैं। क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक आपकी रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के बाद इसे आपके अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास भेज देगा ताकि यह कुलसचिव, विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इं.गां.रा.मु.वि., मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को प्रेषित किया जा सके।

¼lJh ,u-jE;k½
कार्यक्रम संचालक

ch-,l-MCY;w-b-–003

lenk;k vkSj LaLFkkvksa ds lkFk lekt dk;Z vH;kl

l=h; dk;Z-1

ikB~;Øe dksM % ch-,l-MCY;w-b-–003
dqy vad-100

ukV % **i)** lHkh ikp iz'uksa ds mÙkj nhft,A
ii) lHkh iz'uksa ds vad leku gSaA
iii) iz'u la[;k 1 vkSj 2 ds mÙkj ¼izR;sd½ 600 'kCnksa ls vf/kd ugha gksus pkfg,A

1) समुदाय संगठन के मूल्यों और सिद्धांतों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 20

अथवा

जेंडर और जेंडर अन्याय की अवधारणा स्पष्ट कीजिए। समुदाय में जारी रहने वाली असमानताओं के प्रमुख प्रकारों में से किसी एक का वर्णन कीजिए। 20

2) समाज कल्याण प्रशासन के इतिहास पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर विभिन्न समाज सेवा संगठनों, उनके स्वरूप, महत्व और कार्यप्रणाली को स्पष्ट कीजिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं nks प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक लगभग 300 शब्दों में) दीजिए:

i) सामाजिक क्रिया की अवधारणा और सिद्धांतों को स्पष्ट कीजिए। 10

ii) सामाजिक क्रिया के विभिन्न माडलों का उल्लेख कीजिए। 10

iii) महिलाओं की शिक्षा से संबंधित विभिन्न नीतियों पर प्रकाश डालिए। 10

iv) समाज कार्य अनुसंधान की प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं pkj प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए:

i) अनुसंधान और समाज कार्य अनुसंधान शब्दों को परिभाषित कीजिए। 5

ii) एक अनुसंधान परियोजना की विभिन्न अवस्थाओं का उल्लेख कीजिए। 5

iii) तत्व, प्रतिचयन और जनसंख्या शब्दों को परिभाषित कीजिए। 5

iv) समुदाय संगठन की पद्धति को स्पष्ट कीजिए। 5

v) भारत में स्वास्थ्य पद्धति पर टिप्पणी कीजिए। 5

vi) मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विधान (कानून) को स्पष्ट कीजिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं ikp पर (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिएः

i) मानसिक स्वास्थ्य 4

ii) सामाजिक संघर्ष 4

iii) कर्मचारी व्यवस्था (स्टाफिंग) 4

iv) एफ.सी.आर.ए. 1976 4

v) समुदाय स्वास्थ्य 4

vi) समन्वेशी डिजाइन (exploratory design) 4

vii) आंकड़ा संसाधन 4

viii) आांकड़ों का कोडीकरण 4

ch-, l-MCY;-b--005

,p-vkb-oh-@,M l dk ifjp;

l=h; dk;-2

ikB;Øe dkM % ch-, l-MCY;-b--005

dy vd-100

ukV % **i)** lHkh ikp i'uk d mÙkj nhft,A

ii) lHkh i'uk d vd leku gA

iii) i'u l[;k 1 vkj 2 d mÙkj ¼iR;d½ 600 'kCnk l vf/kd ugh gku pkfg,A

1) सामाजिक–आर्थिक विकास में एच.आई.वी./एड्स की समस्या के दुष्प्रभाव की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

'एच.आई.वी. संक्रमण', क्षयरोग (टी.बी.) और यौन संचारित रोगों (एस.टी.डी.) पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

2) राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के घटकों का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

संक्षेप में बताइए कि व्यक्ति के व्यवहार में परिवर्तन किस प्रकार एच.आई.वी./एड्स को फैलने से रोक सकता है? 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं nk प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 300 शब्दों में) दीजिए:

i) मां से शिशु को होने वाले एच.आई.वी. संचरण में शामिल नैतिक मुद्दों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 10

ii) व्यक्ति के लिए एच.आई.वी./एड्स के निहितार्थों का उल्लेख कीजिए। 10

iii) एच.आई.वी./एड्स से मरने वाले लोगों की देखभाल किस प्रकार करनी चाहिए। 10

iv) एच.आई.वी./एड्स से ग्रस्त जीवन जी रहे लोगों की स्वास्थ्य स्थिति की गोपनीयता बनाए रखने के महत्व को स्पष्ट कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं pkj प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए:

i) एच.आई.वी./एड्स के संचरण से संबंधित मिथकों और गलत धारणाओं की चर्चा कीजिए। 5

ii) एच.आई.वी./एड्स किस प्रकार अन्य रोगों से भिन्न है? 5

iii) किसी व्यक्ति की एच.आई.वी.–पोजीटिव स्थिति बताने का क्या प्रभाव पड़ता है? 5

iv) रक्त और रक्त उत्पादों और स्क्रीनिंग के विनियम से आप क्या समझते हैं? 5

v) वे कौन से प्रमुख मॉडल हैं जिन्हें एच.आई.वी./एड्स नीति में शामिल किया जा सकता है? 5

vi) राहतकारी देखभाल शब्द को स्पष्ट कीजिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं ikp पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) लिखिए:

i) आश्रम देखभाल 4

ii) एन.ए.सी.ओ. (नाको) 4

iii) डायरिया 4

iv) आई.ई.सी. 4

v) मादक द्रव्य दुरूपयोग 4

vi) समापन अवस्था 4

vii) स्वापक 4

viii) इलीसा 4

ch-,l-MCY;w-bZ-006

eknd nO; nq:i;ksx vkSj ijke'kZ

l=h; dk;Z-3

ikB~;Øe dksM % ch-,l-MCY;w-bZ-006

dqy vad-100

uksV % **i)** lHkh ikapksa iz'uksa ds mÙkj nhft,A
ii) lHkh iz'uksa ds vad leku gSaA
iii) iz'u la[;k 1 vkSj 2 ds mÙkj ¼izR;sd½ 600 'kCnksa ls vf/kd ugha gksuk pkfg,A

1) मादक द्रव्य दुरूपयोग के मामले में अंतःक्षेप की आवश्यकता की चर्चा कीजिए। अंतःक्षेप की अवस्थाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 20

अथवा

परामर्श के चरण कौन–कौन से हैं? चर्चा कीजिए। 20

2) किसी भी परिवार नियोजन विधि का चयन करने में दम्पति को प्रभावित करने वाले कुछ सामान्य पहलू क्या हैं? 20

अथवा

मादक द्रव्य दुरूपयोग की रोकथाम और नियंत्रण करने के संबंध में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय निकायों की चर्चा कीजिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं nks प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 300 शब्दों में) दीजिएः

i) यह बताइए कि मादक द्रव्य दुरुपयोग ने विभिन्न वर्गों और श्रेणियों को किस प्रकार प्रभावित किया है? 10

ii) यौन संचारित रोगों को फैलने से रोकने के उपाय बताइए। 10

iii) परामर्श के अन्य रूपों और अंतःक्षेप परामर्श के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। 10

iv) जनमाध्यम शिक्षा (मीडिया एजुकेशन) क्या है? जन माध्यम शिक्षा के कुछ उद्देश्य प्रस्तुत कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं pkj प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिएः

i) स्पष्ट कीजिए कि लोग मादक द्रव्यों का दुरुपयोग क्यों करते हैं? 5

ii) एक व्यसनी की पहचान किस प्रकार होती है? 5

iii) संकट परामर्श की विधियां कौन–कौन सी हैं? 5

iv) अंतवैंयक्तिक संचार को स्पष्ट कीजिए। 5

v) जनसंचार के तीन तत्वों का उल्लेख कीजिए। 5

vi) कठपुतली का खेल क्या है? भारत में कठपुतली के खेल के सामान्य विभिन्न प्रकार कौन से हैं? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं ikp पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) लिखिए:

i) संचारी रोग 4

ii) नकार 4

iii) सह–निर्भरता 4

iv) पुनर्वास 4

v) सशक्तिकरण करने की प्रक्रिया 4

vi) अनुनय (persuasion) 4

vii) लोक–साहित्य 4

viii) विशिष्ट वर्ग मीडिया 4